बेमौसम बारिश व ओले गिरने से मौसम के मिजाज बदले

ओला वृष्टि और बारिश से अन्नदाता फिर संकट में

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में शनिवार की दोपहर मौसम विभाग की चेतावनी के मुताबिक पश्चिमी विक्षोप की वजह से मौसम ने अचानक करवट ली और 15 मिनिट तक की तेज बारिश के बीच ओला वृष्टि हुई। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से अन्नदाता एक बार फिर संकट में आ गया। कटाई के बाद जिन किसानों का गेहूं खेतों में या खरीदी केंद्र के बाहर पड़ा है उस गेहूं की चमक फीकी पड़ने की संभावना हैं। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में बदलाव आया और बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की वजह से सबकुछ अस्त-व्यस्त हो गया। बेमौसम बारिश और ओला गिरने से गेहूं व चना सहित अन्य दलहनी फसलों को भारी नुकसान हुआ।

गेहूं की कटी फसल को क्षति

बेमौसम बारिश व ओला वृष्टि की वजह से जिन किसानों के गेहूं की फसल कटकर खलियानों मे रखी है या जिन किसानों का गेहूं तुलाई के लिए खरीदी केंद्रों के बाहर पड़ा है उसे नुकसान पहुंचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार की वजह से पनागर तहसील के ग्राम खजरी खिरिया, बरौदा, मचला, सिहोरा तहसील के गोसलपुर, रामपुर, दर्शनी, पौड़ापौडी, पाटन तहसील के ग्राम खिरवा, बरगी तहसील के खिरका खेड़ा सहित अन्य गांव में कटाई के बाद रखी गेहूं की फसल भींग गई। वहीं दलहनी फसलों में उड़द, मसूर, सरसों की फसलों की अभी बुवाई हुई है। उसको भी आंशिक क्षति पहुंची है।

ऐसे रहे मौसम के मिजाज

मौसम विभाग की मानें तो राजस्थान के ऊपर बने चक्रवात के कारण हालत बिगड़े। अचानक बादल छायें और बारिश होने लगी। उसके बाद मौसम खुल गया और धूप भी निकली। बेमौसम ओला पानी से पिछले 24 घंटे के दौरान तापमान में गिरावट आई। नगर का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सामान्य से 1 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 25.0 सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया है। कुल वर्षा 03.02 मिलीमीटर हुई। अब तक बेमौसम बारिश 10.03 मिलीमीटर हो चुकी है। सुबह की आर्द्रता 56 प्रतिशत और शाम की 56 प्रतिशत दर्ज की गई है। सूर्योदय सुबह 5.35 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 6.39 मिनिट पर होगा।

तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी

स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 24 घंटों के दौरान भी संभाग के कुछ जिलों में कही कही वर्षा, गरज चमक के साथ ओला वृष्टि की चेतावनी दी है। वहीं 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी भी दी है। पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिणी हवायें 6 से 7 प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। प्रदेश में सबसे अधिक 44.2 डिग्री तापमान रतलाम जिले में दर्ज किया गया।

15 से 20 ग्राम के गिरे ओले

शनिवार की दोपहर में शहर का नजारा ही बदल गया, सुबह से आसमान पर बादलों की आवाजाही बनी रही। दोपहर 2 बजे के लगभग अचानक पानी के साथ ओले गिरना शुरु हो गए, जिससे लोग इधर से उधर भागते नजर आए, वाहनों की रफ्तार अचानक कम हो गई, लोग सिर छिपाने के लिए जगह तलाशते नजर आए, प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो कहीं 15 से 20 ग्राम के वजनी के ओले गिरे है।

बारिश के बीच विद्युत व्यवस्था छिन्न भिन्न

बारिश के दौरान चली हवाओं की वजह से बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई। हनुमानताल, अंधेर देव, मदार टेकरी, सराफा, अधारताल, फूटाताल, गुरंदी, घमापुर आदि क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई। करीब 4 घंटे के बाद विद्युत व्यवस्था बहाल हो सकी इस बीच बिजली का आना जाना लगा रहा। रिछाई फीडर इमलिया में लाइट बंद हुई तो आने का नाम ही नहीं ली।

आवासीय कालोनी विकसित करने के अनुबंध से जुड़ा बहुचर्चित प्रकरण

एक करोड़ 72 लाख की धोखाधड़ी के आरोपित संदीप ठाकुर को जमानत नहीं

- कोर्ट ने कहा-छल व आपाधिक न्याय भंग गंभीर प्रकृति का आरोप, नहीं दे सकते राहत

हरिभूमि जबलपुर।

जिला अदालत ने एक करोड़ 72 लाख की धोखाधड़ी के आरोपित बजरंग नगर, करमेता, माढ़ोताल निवासी संदीप ठाकुर को जमानत देने से इनकार कर दिया। अपर सत्र न्यायाधीश महिमा कछवाहा की कोर्ट ने आरोपी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। मामला आवासीय कालोनी विकसति करने के अनुबंध से संबंधित है। कोर्ट ने पूरे मामले का अवलोकन करने के बाद अपने आदेश में साफ किया कि प्रथमदृष्ट्य आरोपित के निर्दोष होने की संभावना प्रकट नहीं हो रही है। छल व आपाधिक न्याय भंग गंभीर प्रकृति का आरोप है, इसलिए जमानत नहीं दी जा सकती।

मामले की सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक सरोज तिवारी व आपत्तिकर्ता मेसर्स गजानंद डवलपर्स पार्टनर पंकज सराफ, प्रकाश अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता रवींद्रनाथ चतुर्वेदी ने जमानत आवेदन का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि आरोपित आवेदक के विरुद्ध माढ़ोताल पुलिस ने धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। उस पर आरोप है कि उसने रिमझा स्थिति आपत्तिकर्ताओं की कृषि भूमि में आवासीय कालोनी विकसित करने का अनुबंध किया था। दो माह में विकास कार्य पूर्ण करने का वादा किया था। आपसी सहमति से यह अवधि तीन माह तक बढ़ाई जा सकेगी। इसके साथ ही 850 रुपये वर्गफीट के हिसाब से भूखंडों का विक्रय आवेदक विकासकर्ता की हैसियत से करेगा। प्राप्त होने वाली राशि भूमि स्वामी आपत्तिकर्ताओं को देगा। लेकिन आवेदक ने ऐसा नहीं किया। कई बार भुगतान के लिए कहने पर भी राशि हड़पे रहा। यहां तक कि आपत्तिकर्ताओं को परिवार सहित जान से मारने की धमकी पर उतारू हो गया। इस वजह से आपत्तिकर्ता व उनके परिवार असुरक्षित अनुभव कर रहे हैं। यदि जमानत का लाभ मिला तो आवेदक साक्ष्यों को प्रभावित कर सकता है। अदालत ने तर्क से सहमत होकर जमानत देने से इनकार कर दिया।

पूर्व आदेश का पालन कर रिपोर्ट पेश करें, वरना आयुक्त उच्च शिक्षा वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हाजिर हों

- हाईकोर्ट का निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक अवमानना मामले में शासन को निर्देश दिए कि पूर्व आदेश का पालन कर रिपोर्ट पेश करें, वरना आयुक्त उच्च शिक्षा वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हाजिर हों। जस्टिस एके सिंह की सिंगल बेंच ने मामले पर अगली सुनवाई 19 जून को नियत की। डीएन जैन महाविद्यालय जबलपुर से सेवानिवृत्त ग्रंथपाल अशोक गुप्ता की ओर से अधिवक्ता प्रभात कुमार असाटी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट ने 9 मई 2024 को विभाग को निर्देश दिए थे कि याचिकाकर्ता को 8 प्रतिशत ब्याज के साथ सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए। आदेश का पालन नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर की गई। कोर्ट को बताया गया कि शासन की ओर से प्रस्तुत रिव्यू और अपील भी निरस्त हो चुकी है, इसके बावजूद आदेश का पालन नहीं हुआ। आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग की ओर से आदेश पालन की रिपोर्ट पेश करने 4 सप्ताह की मोहलत मांगी।

सिमरिया गांव में महिलाओं का हल्ला बोल

लाठियां लेकर शराब दुकान बंद कराने पहुंचीं महिलाएं

हरिभूमि जबलपुर।

चरगवां से लगभग 15 किलोमीटर दूर आदिवासी बहुल सिमरिया गांव शनिवार को उस समय चर्चा में आ गया जब दर्जनों महिलाएं लाठियां डंडे लेकर शराब दुकान खोले जाने के विरोध में निर्माण स्थल पर पहुंच गरइं। महिलाओं की इस कार्रवाई से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। विरोध की खबर मिलते ही आबकारी विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन महिलाओं का आक्रोश शांत नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, सिमरिया गांव में शराब की एक नई दुकान खोली जा रही थी और ठेकेदार ने निर्माण कार्य शुरू भी कर दिया था। जैसे ही गांव की महिलाओं को इस बात की भनक लगी, वे अन्य आसपास के गांवों की महिलाओं के साथ लाठी-डंडे लेकर स्थल पर पहुंच गरइं और निर्माण कार्य को तुरंत रुकवा दिया। पुलिस और आबकारी अधिकारियों ने महिलाओं को समझाने की कोशिश की, लेकिन महिलाओं ने साफ कहा कि अगर यह दुकान खुली, तो गांव का माहौल बिगड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी गांवों में शांति और सुरक्षा का माहौल है, लेकिन शराब दुकान खुलने से न सिर्फ पुरुषों में शराबखोरी बढ़ेगी, बल्कि नाबालिग बच्चे भी इसकी चपेट में आ सकते हैं।

शराब विरोध में बनी महिलाओं की टीम

स्थानीय महिलाओं का कहना है कि वे वर्षों से अपने घर के पुरुषों की शराबखोरी से परेशान हैं। आए दिन घरेलू हिंसा, आर्थिक तंगी और बच्चों की उपेक्षा जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में उन्होंने एक स्वयंसेवी टीम बनाई है जो नई शराब दुकानों का विरोध कर रही है, और जल्द ही पहले से चल रही दुकानों के खिलाफ भी मोर्चा खोलने की तैयारी कर रही है। महिलाओं का कहना है, रजहां भी शराब की दुकान खुलती है, वहां महिलाओं का जीवन दूभर हो जाता है। छोटी उम्र के बच्चे भी इसकी लत में पड़ जाते हैं, और पूरा सामाजिक ढांचा चरमरा जाता है।

धरने की चेतावनी

महिलाओं ने प्रशासन को साफ चेतावनी दी है कि यदि शराब दुकान का निर्माण कार्य तुरंत नहीं रोका गया, तो वे वहीं पर धरने पर बैठ जाएंगी। इस विरोध के बाद अब प्रशासन की ओर से स्थिति की समीक्षा की जा रही है, लेकिन महिलाओं के तेवर से साफ है कि वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

कलेक्टर व एसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 5 मई को रिवझा और पवई के प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत व अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ मझौली के पास स्थित रिवझा और पाटन विकासखंड के उड़ना के पास स्थित पवई में आयोजित कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं के साथ हेलीपेड का भी जायजा लिया। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त आयोजित कार्यक्रमों की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सक्सेना ने मझौली स्थित विष्णु बराह मंदिर पहुंचकर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि रिवझा और पवई दोनो जगह भागवत कथा आयोजित होंगे।

जेल आर्केस्ट्रा के कलाकार बाहर भी दिखा सकेंगे हुनर

चीफ जस्टिस ने सृजनशील बंदियों को प्रोत्साहन राशि के दिए निर्देश

- कारागारों में बृहद स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन
- बंदियों ने पेंटिंग व चरखा का उपहार भेंट किया
- हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति की पहल

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर अंतर्गत आने वाली समस्त जेलों में बृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत ने पेंटिंग, स्कैच बनाने वाले व आर्केस्ट्रा के कलाकार बंदियों के अलावा योगा टीम के बंदियों के खातों में एक हजार रुपये प्रोत्साहन राशि जमा करने के निर्देश विधिक सहायता अंतर्गत प्रदान किए।

चीफ जस्टिस कैत ने जेल आर्केस्ट्रा के कलाकारों को बाहर भी कार्यक्रम करने की अनुमति के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के भी निर्देश दिए। जेल में बंदियों द्वारा निर्मित समोसे तथा अन्य व्यंजनों के विक्रय हेतु प्रोत्साहन के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश को जेल बंदियों द्वारा बनाई गई पेंटिंगग व चरखा भेंट किया गया।

गार्ड आफ आनर दिया

इस कार्यक्रम में सीजे सुरेश कुमार कैत, प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव कुमार सचदेवा, न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल का पुष्पगुच्छ से स्वागत करने के साथ ही गार्ड आफ आनर दिया गया। इसी के साथ बृहद स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ हुआ। मुख्य न्यायाधीश सहित अन्य ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की शयिका पर पुष्पांजलि अर्पित की। वार्ड का अवलोकन किया। जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर द्वारा कार्यक्रम का परिचय दिया गया। केन्द्रीय जेल जबलपुर का भौतिक रूप से तथा अन्य जेलों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों का वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अवलोकन करके शिविर के संबंध में चर्चा की गई। बंदियों को सम्बोधित भी किया गया। शिक्षा एवं विधिक सहायता तथा प्रशिक्षण व पुनर्वास पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में जेल बंदियों द्वारा मनमोहक गायन की भी प्रस्तुतियां दी गंई। जेल में बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों का भी अवलोकन किया गया। जेल पाकशाला, बंदी योगा व जेल अस्पताल, जेल बंदी बैरिक व जेल वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग का भी अवलोकन किया गया है।

इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जबलपुर आलोक अवस्थी, सदस्य-सचिव मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप मित्तल, रजिस्ट्रार जनरल धरमिन्दर सिंह, रजिस्ट्रार/सचिव हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति जबलपुर अर्चना सिंह, रजिस्ट्रार न्यायिक वंदन मेहता, अतिरिक्त-सचिव अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शक्ति वर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी प्रदीप सिंह, दिग्विजय सिंह, शक्ति रावत का सहयोग रहा। अधिष्ठाता, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कालेज के आदेशानुसार जेल में पुरूष महिला बंदियों का विशेष स्वास्थ्य परीक्षण किये जाने हेतु कैम्प में जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, अस्थि रोग, स्किन एंड वीडी, गायनिक, डेंटल, न्यूरोलाजी, मनोरोग, नेत्र, शिशु, कैंसर, नेफ्रोलाजी, ईएनटी विभाग के 17 चिकित्सकों के द्वारा 410 पुरूष बंदी, 52 महिला बंदी तथा 06 बच्चों सहित कुल 468 का चैकअप किया गया है।

शहर के घरों में नर्मदा जल पहुंचाना हमारा दायित्व : निगमाध्यक्ष

जबलपुर। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 312 करोड़ रूपये से होने वाले कार्य की शुरूआत हो गई है। 312 करोड़ रूपये में से सबसे बड़ी राशि केन्ट विधानसभा क्षेत्र को दी गई है, जिसके अंतर्गत शनिवार को तिलहरी के रानी अवंती बाई वार्ड में उच्चस्तरीय पानी टंकी के निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी एवं नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज ने किया। इस अवसर पर महापौर अन्नू ने जानकारी देते हुए बताया कि अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत 312 करोड़ रूपये की राशि से होने वाले कार्य का प्रारंभ नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज के वार्ड से हुई है। उन्होंने बताया कि कल दिनांक 04 मई से ही निर्माण कार्य शुरू होगा।

भूमिपूजन समारोह के अवसर पर केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने ज केन्ट विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों का नर्मदा जल पाने की सौगात से अभिभूत हुए और कहा कि केन्ट विधान सभा क्षेत्र के नागरिकों का आज सपना साकार हुआ है। उच्चस्तरीय पानी की टंकी का निर्माण शुरू होना नागरिकों के लिए एक बड़ी सौगात है। उन्होंने बताया कि अब शहर के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के साथ-साथ केन्ट विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के घरों में भी नर्मदा जल पहुँचेगा। इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज ने शहर के सभी घरों में भी नर्मदा जल पहुंचाना हमारा दायित्व था। जिसके लिए हम सभी प्रयास किये और आज उसका परिणाम जमीनीधरातल पर दिखाई देने लगा है। भूमिपूजन समारोह के दौरान एम.आई.सी. सदस्य दामोदर सोनी, पार्षद सुश्री कृष्णा चौधरी, पवन यादव, संजय ठाकुर, बलराम बागड़ी, महेन्द्र सिंह, संतोष वैरागी, आशीष झारिया, राजेश रजक, सीताराम यादव, अमर सिंह महोबिया, नितिन भरोसा, ओमप्रकाश खत्री, प्रदीप, नीरज बसेड़िया, भारत बिरहा, सुनील तिवारी, स्वदेश मलिक, नरेन्द्र महोबिया, पवन महोबिया, मनीष महावत, विशाल तिवारी एवं अन्य सभी गणमान्य नागरिक मंच पर उपस्थित रहे। मंच का संचालन श्रीमती विभा उपाध्याय एवं आभार प्रदर्शन सौरभ गोयल ने किया।

पाटन में सिविल अस्पताल का शुभारंभ और नुनसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री

हरिभूमि जबलपुर।

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है और आने वाले समय में मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने मिलेंगे। ये विचार उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नुनसर में लगभग 2 करोड़ 95 लाख रुपये से बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करना है, ताकि लोगों को स्थानीय स्तर पर ही अच्छा उपचार मिल सके और उन्हें इलाज के लिये जिला अस्पताल या शहर की ओर न जाना पड़े।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने नुनसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण करने के पहले पाटन में सिविल अस्पताल का शुभारंभ किया। उन्होंने करीब 12 करोड़ रूपये की लागत से बने सिविल अस्पताल की ओपीडी, आईसीयू, एनबीएसयू, एनआरसी, एक्स-रे और पैथालॉजी कक्ष सहित प्रत्येक वार्ड का भ्रमण किया और उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, विधायक अजय विश्नोई, आदर्श विश्नोई, नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह एवं भाजपा के ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल उनके साथ थे।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नुनसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये बताया कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने राज्य सरकार ने साढ़े तीन हजार चिकित्सकों की तथा दस हजार पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ के साथ ही आउटसोर्स से सोलह हजार कर्मियों भर्ती भी की जा रही है। इनमें सफाई कर्मी, सुरक्षा कर्मी एवं अन्य जरूरी स्टाफ शामिल होगा।

उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कटंगी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल में उन्नयन के विधायक अजय विश्नोई के आग्रह को स्वीकार करते हुये कहा कि जल्दी ही इसका परीक्षण कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने उप स्वास्थ्य केंद्रों का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उन्नयन करने फिजिबिलिटी टेस्ट कराया जा रहा है। इसमें उपयुक्त पाये जाने पर स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन का निर्णय लिया जाएगा।

सांसद आशीष दुबे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नुनसर के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये पाटन विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को एक साथ दो बड़ी सौगात मिलने पर बधाई दी।

विधायक अजय विश्नोई ने लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये पाटन में सिविल अस्पताल और नुनसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना को वर्षों पहले देखे सपने को साकार होने जैसा बताया। उन्होंने बताया कि नुनसर में जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को स्वीकृति दी गई थी तब जमीन की उपलब्धता एक कठिनाई थी। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की भूमि का चयन इसके लिये किया गया और स्वास्थ्य विभाग को हस्तातंरण की प्रक्रिया पूरी की गई। विश्नोई ने इस मौके पर पाटन में सिविल अस्पताल को उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा क्षेत्र की जनता को दी गई बड़ी सौगात बताया और इसके लिये जनता की ओर से उनका आभार जताया। उन्होंने बताया कि पाटन का अस्पताल पहले 30 बिस्तरों का था अब यह 100 बिस्तरों के सिविल अस्पताल में तब्दील हो गया है।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल ने की नाम बदलने की घोषणा

मेडीकल यूनिवर्सिटी अब महर्षि सुश्रुत के नाम से जानी जाएगी

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र के राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगूभाई पटेल ने यहां घोषणा की, कि मेडीकल आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर अब महर्षि सुश्रुत आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्विज्ञान हमें विरासत में मिला है। हमारी संस्कृति के मूल्यों में यह समाहित है। शल्य चिकित्सा (सर्जरी) के पितामाह और सुश्रुत संहिता के प्रणेता आचार्य सुश्रुत का जन्म छटवीं शताब्दी ईसा पूर्व काशी में हुआ था। उन्होंने भगवान धनवंतरी से शिक्षा ग्रहण की थी। उन्हें विश्वामित्र का पुत्र भी कहा जाता है। राज्यपाल यहां नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेट कल्चर ऑडिटोरियम घंटाघर में आयोजित मेडीकल यूनिवर्सिटी के द्वितीय दिक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा कि मेडीकल छात्रों को चिकित्सा विज्ञान के आधुनिक ज्ञान से परिचित होना आवश्यक है। उन्होंने आव्हान किया कि सभी चिकित्सक सेवा भावना के साथ मरीजों का उपचार करें और चिकित्सा विज्ञान में नए नए कीर्तिमान स्थापित करने अनुसंधान में भी ध्यान दें।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, मेडीकल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ अशोक खंडेलवाल, रजिस्ट्रार डॉ पुष्पेंद्र बघेल भी मंचासीन थे। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलगुरु ने शब्दसुमन से अतिथियों का स्वागत किया। रजिस्ट्रार डॉ बघेल ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

श्योपुर और सिंगरौली में खुलेंगे मेडीकल कॉलेज : शुक्ल

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इस अवसर पर घोषणा की, कि मप्र के श्योपुर व सिंगरौली जिलें में शीघ्र ही मेडिकल कालेज खोले जाएगें. उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी मेडीकल कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने के लिए सरकार कृत संकल्पित है। शीघ्र की चिकित्सकों के खाली पद भरे जायेंगे और स्वास्थ्य सुविधाओं व संस्थानों को अपडेट किया जाएगा।

महापौर ने मांगी एम्स की सौगात

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने दीक्षांत समारोह में प्रदेश के डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री से मांग की थी कि जबलपुर जैसे संभागीय मुख्यालय में एम्स हॉस्पिटल की सौगात मिलें तो बहुत लाभकारी होगा, इससे न केवल जबलपुर बल्कि आसपास के जिलों के लोग भी लाभान्वित होंगे। समारोह को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने भी संबोधित किया।

76 छात्र छात्राओं को मिले गोल्डमैडल

दीक्षांत समारोह में 76 छात्र, छात्रों को गोल्ड मैडल प्रदान किए गए। समारोह में 32 हजार छात्र छात्राओं की उपाधि मान्य की जाएंगी. भावी चिकित्सकों ने पीड़ित मानवता की सेवा करने की शपथ भी ली हैं।

ये रहे मौजूद

दीक्षांत समारोह में कलेक्टर दीपक सक्सेना, एसपी संपत उपाध्याय, अपर कलेक्टर श्रीमति मिशा सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आनंद कलादंगी, मेडीकल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलगुरु डॉ डीपी लोकवाणी, डॉ राजेश धीरावाणी, मेडीकल कॉलेज के डीन नवीन सक्सेना, प्राशासनिक अधिकारी व चिकित्सक जगत की हस्तियां मौजूद रही।

नर्मदा तटों पर स्नान दान के साथ धार्मिक आयोजन

गंगा सप्तमी पर नर्मदा तटों में उमड़ी भीड़

जबलपुर। नर्मदा भक्तों के लिए शनिवार का दिन हर्षित करने वाला दिन रहा क्योंकि गंगा सप्तमी पर मां गंगा, नर्मदा जी से मिलने के लिए आईं और इस मिलन के योग में नर्मदा तटों में लोगों ने स्नान, पुण्य दान कर अपने जीवन को धन्य किया। इस मौके पर सुबह से ही गौरीघाट, उमाघाट, तिलवाराघाट, भेड़ाघाट में स्नानार्थियों का मेला लगा रहा। नर्मदा तटों पर विभिन्न धार्मिक आयोजन भी हुये। गौरतलब है कि वर्ष में दो बार मां गंगा अपनी बहन नर्मदा जी से मिलने के लिए आती हैं। पहला गंगा सप्तमी और दूसरा गंगा दशहरा को। इसके लिए नर्मदा तट में विशेष तौर पर श्रद्धालु मां नर्मदा और मां गंगा का पूजन करने के लिए पहुचंते हैं। शनिवार को नर्मदा पावन तट का नजारा ही अलग था। बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाट पर पहुंचे। सबसे पहले भक्तों ने स्नान किया, नर्मदाष्टक का पाठ किया उसके पश्चात मां रेवा की आरती की। इस दौरान हर तरफ नर्मदे हर-हर का जयघोष गूंज रहा था।

खबर संक्षेप

प्रो. अरुण शुक्ल, हिन्दी अध्ययन मंडल के अध्यक्ष नियुक्त

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय जबलपुर के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल को हिन्दी अध्ययन मंडल, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने प्रो. अरुण शुक्ल को अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाऐं प्रेषित करते हुये हर्ष व्यक्त किया।

इंटक ने मनाया अपना स्थापना दिवस

जबलपुर। इंटक स्थापना दिवस के अवसर पर 03 मई को इंटक कार्यालय एल-1 हाथीताल कॉलोनी जबलपुर में इंटक नेता कृपाशंकर वर्मा की अध्यक्षता में इंटक संगठनों की मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में मप्र इंटक मंत्री-द्वय शंकरदयाल शर्मा एवं विनोद पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि केन्द्र व राज्य सरकारों की मजदूर, किसान एवं जनविरोधी नीतियों के विरोध में केन्द्रीय श्रम संगठनों ने अभा संयुक्त अभियान समिति इंटक, एटक, सीटू, एचएमएस, एआईटीयूसी सहित (एकमात्र बीएमएस को छोड़कर) सभी संगठनों ने 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है, इसे सफल बनाने 04 मई को रेलवे स्टेशन माल गोदाम के सामने रेलवे इंस्टीट्यूट के हॉल में मध्यान्ह 12 बजे से सभी यूनियन के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित है।

शांतम प्रज्ञा आश्रम में मनाई गई जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती

जबलपुर। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र गोहलपुर में पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आदि शंकराचार्य जी के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। आश्रम संचालक मनोवैज्ञानिक, दार्शनिक मुकेश कुमार सेन ने आदि शंकराचार्य जी के जीवन से संबंधित विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया आदि शंकराचार्यजी भारत के ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के महान दार्शनिक, तत्ववेत्ता, आध्यात्मिक गुरु हैं, उन्होंने निर्वाण शतकम, भज गोविंदम, एक श्लोकी जैसे महान ग्रंथों की रचना की। आज भी आदि शंकराचार्य का अद्वैत वेदांत दर्शन उतना ही प्रासंगिक है। साथ ही आश्रम में उपचार ले रहे नशा पीड़ितों ने निर्वाण शतकम और भज गोविंदम का सामूहिक गान कर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

हज जाने वाले जायरीन का किया इस्तकबाल

जबलपुर। मस्जिद फैज़ाने मदीना में हज यात्रा पर जाने वाले हजरात का मोहम्मद जावेद अत्तारी अशरफी साहब ने हाजी सहीम, हाजी अब्दुल वहीद का इस्तकबाल किया, इस दौरान मन्सूर भाई, साबिर भाई, जहीर भाई, अदील भाई, आकीब भाई ने भी मुबारकबाद दी।

ग्रीष्मकालीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शुभारंभ आज

जबलपुर। मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी ऑफ इंडिया के संस्थापक अंतरराष्ट्रीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षक राजकुमार यादव ने बताया कि मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी ऑफ इंडिया, जिला जुजित्सु संघ जबलपुर एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 04 मई से 15 जून तक किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ आज 04 मई को मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा रॉक फोर्ड सोफ्टसोल परिसर महानद्दा मदन महल जबलपुर में किया जा रहा है।

संत रविदास विचार मंच की सभा आज

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 04 मई को मध्यान्ह 12.30 बजे से लालमाटी झामनदास चौक खेरमाई मंदिर में मंच की सभा आयोजित है। इस सभा के मुख्य अतिथि शारदा प्रसाद चौधरी होंगे, अध्यक्षता रामसिपाही सेठ करेंगे। मंच के राहुल चौधरी, एड. प्रहलाद चौधरी, श्यामलाल चौधरी, नेमचंद्र सूर्यवंशी, कमल चौधरी, रामसिपाही सेठ, रामबाई, सियाबाई, चंदाबाई, मीना चौधरी, गुड्डीबाई सहित अन्य ने सभा में उपस्थिति का आग्रह किया है।

जाति जनगणना की समय-सीमा के साथ हिस्सेदारी भी अनुपात में तय हो

जबलपुर। शहर के विविध सामाजिक संगठनों ने प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर इस पहल को सामाजिक समावेशन की दिशा में युगांतकारी कदम करार दिया है। इन संगठनों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर जाति जनगणना की स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करने की पुरज़ोर मांग रखी। इस ज्ञापन में आग्रह किया गया कि जनगणना की प्रक्रिया को शीघ्र शुरू किया जाए, ताकि वंचित और हाशिए पर खड़े समुदायों को उचित प्रतिनिधित्व और संसाधनों का न्यायोचित वितरण सुनिश्चित किया जा सके। प्रतिनिधि मंडल ने इस ऐतिहासिक निर्णय पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव तथा दक्षिण भारत के कई प्रबुद्ध नेताओं के प्रति आभार भी प्रकट किया, जिन्होंने जातिगत आंकड़ों के संकलन की पुरज़ोर वकालत की थी। ज्ञापन सौंपते समय रामरतन यादव, घनश्याम यादव, बैजनाथ कुशवाहा, नोखेलाल प्रजा, रामकुमार पटेल, नरेश चक्रवर्ती, शैलेश लोधी, इंद्र कुमार कुलस्ते, उपस्थित रहे। संगठनों का मानना है कि यह कवायद समाज के वास्तविक ढांचे को समझने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे नीतिगत स्तर पर न्यायसंगत परिवर्तन संभव हो सकेंगे।

पवई धाम में श्री शिव समाराधन महायज्ञ का आयोजन

मन की थकान मिटाने की श्रेष्ठ औषधि है कथाः इंद्रेशजी महाराज

पाटन। शरीर की थकान मिटाने के अनेक उपाय हैं, अनेक दवाइयां है परंतु मन की थकान मिटाने की श्रेष्ठ औषधि श्रीमद् भागवत कथा है, वास्तव में कथा से सीखने वाले या कथा का अभिप्राय समझने वाले ही सच्चे श्रोता होते हैं। हमारे आपके अनेक जन्मों के जब पुण्य का उदय होता है तब हमें भगवान की कथा प्राप्त होती है। सभी वेदों का सरल भाव भागवत में विद्यमान है। जिस तरह मक्खन में दूध, दही, छाछ सभी तत्व होते हैं परंतु मक्खन की कीमत अधिक होती है, क्योंकि मक्खन सार है और सार की कीमत अधिक होती है, अंधकार दूर करने का सामर्थ्य घी में है, दूध में नहीं है, दूध से हम दीपक प्रज्वलित नहीं कर सकते। भागवत रूपी मक्खन हमारे ज्ञान रूपी दिए को जलाने वाला घी है। उक्त उद्गार पवई धाम अमरपुर में पूज्य संत महेंद्रानंद जी महाराज के सानिध्य में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के अवसर पर देश के ख्याति प्राप्त प्रवक्ता इंद्रेश जी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वक्ता नारद का स्वरूप माना जाता है, अस्तु श्रोता की वक्ता के प्रति नारद दृष्टि होना चाहिए। जो वक्ता श्रोता को नारायण की प्राप्ति करा दे, वह नारद स्वरूप होता है। हमारा उद्देश्य यदि श्रेष्ठ है तो हमारी क्रिया भी वैसी होती है और मेहनत भले ज्यादा लगे पर उद्देश्य की श्रेष्ठता सफलता अवश्य दिलाती है। इंद्रेश उपाध्याय जी ने कहा कि कहा कि यह जबलपुर क्षेत्र अत्यन्त पुण्यवान है, क्योंकि यह माँ नर्मदा का पवित्र तट है यहाँ जगत की माँ नर्मदा वास करती है, जिनमें शिव वास करते हैं।

प्रेम मंदिर में आज मनाया जाएगा भगवान चित्रगुप्त का प्राकट्योत्सव

जबलपुर। भगवान श्री चित्रगुप्त के प्राकट्योत्सव (गंगा सप्तमी) दिवस के अवसर पर संस्कारधानी के सभी मंदिरों में विभिन्न आयोजन होंगे, मुख्य आयाजन विश्व कायस्थ संगठन विकास के तत्वावधान में प्रेम मंदिर राइट टाउन में 04 मई को शाम 6.30 बजे से शुरू होंगे एवं हवन, पूजन, महाआरती के पश्चात भजन संध्या और सम्मान समारोह के साथ महाप्रसाद का वितरण होगा। आयोजन समिति के राजीव लाल श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, अविनाश निगम, हर्ष श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त का स्मरण करने मात्र से ही असंख्य पापों का क्षय होता है एवं पूजन, दर्शन से पुण्य का उदय होता है। साथ ही शिवहरि श्रीवास्तव, आनंद निधि, विनोद भटनागर ने बताया कि इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों एवं प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। संस्कारधानी के समस्त चित्रांश बंधुओं से सपरिवार आयोजन में उपस्थिति की अपील शिवहरि श्रीवास्तव, हरीश वर्मा, गोपाल श्रीवास्तव, ऋषि श्रीवास्तव, किरण श्रीवास्तव, कविता सिन्हा, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, एड. रीना सक्सेना, डॉ. एसके वर्मा, महेन्द्र ब्यौहार, नीरज वर्मा, दुर्गे शश्रीवास्तव, मदन श्रीवास्तव सहित अन्य ने की है।

वन परिक्षेत्र के नये कार्यालय का लोकार्पण

सिहोरा। वन परिक्षेत्र सिहोरा के नवीन कार्यालय भवन के बन जाने से अब कर्मचारियों को कार्य करने के साथ आने वाले अन्य लोगों को परेशानी नहीं होगी उक्ताशय के विचार विधायक संतोष बरकडे ने वन परिक्षेत्र सिहोरा के नवीन भवन के लोकार्पण के अवसर पर व्यक्त किए। वन परिक्षेत्र कार्यालय एंव बाउंड्री बाल का निर्माण कैम्पा योजना से 24 लाख रुपये की लागत किया गया है। जिसमें कर्मचारियों के बैठने हेतु बढ़िया व्यवस्था कि गई है। इस अवसर पर ऋषि मिश्रा डीएफओ,मानिक लाल बरकडे एसडीओ,प्रदीप श्रीवास्तव एसडीओ जबलपुर, अपूर्व शर्मा एसडीओ पनागर, आदि उपस्थित थे।

सबसे पुरानी समस्या का होगा स्थाई समाधान : आशीष दुबे

- नगर के मठहा तालाब सौंदर्यीकरण का भूमिपूजन
- 93 लाख रुपए की लागत सुंदर बनेगा तालाब

हरिभूमि सिहोरा।

सरकार की अमृत 2 योजना से सिहोरा के बीचों बीच वार्ड क्रमांक 5 में स्थित मठहा तालाब का विकास होने से निश्चित रुप से क्षेत्रीय लोगों के लिए एक अच्छा एंव व्यवस्थित स्थल बनेगा जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुबह टहलने के लिए भी अच्छा होगा इस प्रोजेक्ट के माध्यम से नगर की सबसे पुरानी और बड़ी समस्या का स्थाई समाधान होगा एंव शहर के मध्य एक सुंदर धरोहर तैयार होगी। उक्ताशय के विचार जबलपुर सांसद आशीष दुबे ने मठहा तालाब सौंदर्यीकरण के भूमिपूजन अवसर पर व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन विधायक संतोष बरकडे,पूर्व विधायक दिलीप दुबे के विशिष्ट आतिथ्य एंव नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दुबे की अध्यक्षता में किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दुबे के प्रयासों से लम्बे समय के बाद आखिरकार मठहा तालाब के सौंदर्यीकरण के विकास की योजना बनने से नगरवासियों में हर्ष व्याप्त है सम्पूर्ण तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य अमृत 2.0 योजना में मिशन योजना अंतर्गत वाटर वॉडी रिज्यूविनेशन में 93.62 लाख की लागत से होगा। करीब दो दशक से यहां के निवासी इसकी गंदगी और बदबू से परेशान थे जिससे अब उन्हें निजात मिल जाएगी।

6 घंटे का चिंतन उपवास बना विचारों का आंदोलन

धर्मनिरपेक्ष भारत की पुकार, जबलपुर से उठी चेतना की आवाज़

जबलपुर। देश में बढ़ती सांप्रदायिकता और धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ जबलपुर से एक सशक्त वैचारिक संदेश सामने आया। शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ 'नाटी' शर्मा के नेतृत्व में टाउन हॉल स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा परिसर में आयोजित एक दिवसीय "चिंतन उपवास" ने संविधान की धर्मनिरपेक्ष आत्मा की पुकार को नया बल दिया। दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक चली इस मौन और शांतिपूर्ण तपस्या में न सिर्फ पार्टी कार्यकर्ता बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं और आम नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बारिश हुई, लेकिन प्रतिभागियों का संकल्प डिगा नहीं। "हमारा चिंतन ही हमारा विरोध है" की भावना के साथ सभी उपस्थितजन डटे रहे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा ने कहा, "यह उपवास केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है। हमारा मौन ही हमारी आवाज़ है एक चेतावनी, कि भारत की आत्मा धर्मनिरपेक्ष है और हम उसकी रक्षा हर कीमत पर करेंगे। कार्यक्रम में शामिल मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री और विधायक लखन घनघोरिया ने इसे नफरत के खिलाफ प्रेम और संविधानिक मूल्यों की सच्ची अभिव्यक्ति करार दिया और इसे जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया।

निधन

श्रीमती कमला मिश्रा- नेहरू रेलवे कॉलोनी हाउबाग निवासी श्री चिंता हरण मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती कमला मिश्रा (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कंचन खत्री- बेदी नगर मदनमहल निवासी श्री राजेंद्र खत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कंचन खत्री (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती चंद्रकांता शर्मा- चंसोरिया कम्पाउंड सदर निवासी श्री केबी शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकांता शर्मा (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ओमकार सिंह- ककरैया तलैया गोरखपुर निवासी श्री दिलीप सिंह के पुत्र श्री ओमकार सिंह (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुंदरी देवी- दत्त टाउनशिप तिलहरी निवासी श्री वैद्यनाथ सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती सुंदरी देवी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता बाई रैकवार- नई बस्ती माढ़ोताल निवासी श्री किशोरी लाल रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती ममता बाई उर्फ संतो रैकवार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री बुद्धसेन पटेल- सीओडी कॉलोनी सुहागी अधारताल निवासी श्री बुद्धसेन पटेल (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आभा आर्य- नेपियर टाउन निवासी श्री अशोक आर्य की धर्मपत्नी श्रीमती आभा आर्य (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शारदा चौधरी- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री शारदा चौधरी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कौशल कुमार मिश्रा- नगर परिषद के पास कैमोर निवासी श्री कौशल कुमार मिश्रा (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती निर्मला यादव- मोहनिया रांझी निवासी श्री राजकुमार यादव की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला यादव (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मोहन बाई- पोलीपाथर निवासी श्री रवि बालकिशन की धर्मपत्नी श्रीमती मोहन बाई का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती उमा देवी श्रीवास्तव- धनवंतरी नगर निवासी श्री पीके श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती उमा देवी श्रीवास्तव (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइजः- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइजः- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभागः-0761-4048310, 2757175

नाम सुधार की सूचना
मैं, मंजू मल्लाह पत्नी स्व. राजेन्द्र कुमार (Manju Mallah W/o Late Rajendra Kumar), उम्र लगभग 55 वर्ष, सर्व साधारण को सूचित कर रही हूँ कि पी.सी.डी.ए. (पेंशन) इलाहाबाद से जारी पी.पी.ओ. एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम मंजू (Manju) दर्ज है जोकि गलत है जबकि मेरा सही नाम मंजू मल्लाह (Manju Mallah) है जो मेरे आधार कार्ड, पेनकार्ड, वोटर आई. डी, ड्रायविंग लायसेंस एवं बैंक खाता में दर्ज है। मैंने अपने नाम सुधार की समस्त वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण की हैं अत: अब मुझे मेरे सही नाम मंजू मल्लाह (Manju Mallah) के नाम से जाना पहचाना जावे एवं पी.सी.डी.ए. (पेंशन) इलाहाबाद जारी पी.पी.ओ. एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।
(Manju Mallah)
निवासी नई बस्ती, सुभाष नगर, खेरमाई मंदिर के पास, बिलपुरा रोड, राँझी, जबलपुर (म.प्र.) 482005

FOR CHANGE OF NAME
It is for general information that I, UMA BAI SAHU W/o Late TRIVENI PRASAD SAHU, declare that name of mine has been wrongly written as UMA BAI in Pension Payment Order of P.C.D.A. (Pension) Allahabad and in my C.G.H.S. Card. The actual name of mine is UMA BAI SAHU, which may be amended accordingly.
It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.
(UMA BAI SAHU)
Res. H. No. 312, Vinoba Bhave Ward, East Ghamapur, Jabalpur (M.P.) 482001

सरगुजा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के विशनपुर क्षेत्र की घटना

सड़क हादसे में पति-पत्नी और मासूम बच्चे की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरगुजा

शुक्रवार को सरगुजा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 43 स्थित विशुनपुर क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें दुधमुंहे 3 माह के बच्चे सहित उसके माता-पिता की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, एर्टिगा कार तेज गति से चल रही थी। चालक संतोष पैंकरा द्वारा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के कारण कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

बाइक पर सवार दंपति विनोद कुमार यादव, उनकी पत्नी और तीन माह का शिशु तीनों हादसे का शिकार हो गए। टक्कर के बाद तीनों बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे। गिरने से महिला और मासूम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि घायल विनोद कुमार ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार में आईआईटी परीक्षा देने जा रहे पांच

परीक्षार्थी (तीन युवतियां और दो युवक) सवार थे। हादसे के तुरंत बाद युवक मौके पर फरार हो गए। जबकि कार चालक संतोष पैंकरा और एक युवती को घायल अवस्था में 112 की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीतापुर भेजा गया। मृतक परिवार दमगड़ा पेटला का निवासी था।

तीन महिलाओं को कार चालक ने मारी टक्कर, एक की मौत

शुक्रवार को हिट एंड रन की एक घटना हुई। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में अज्ञात कार चालक ने मॉर्निंग वॉक पर निकली दो युवतियों और एक महिला को तेज रफ्तार से ठोकर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि अन्य दो घायलों को मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज जारी है। मृत महिला की हालत घटना के समय से ही नाजुक बताई जा रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपी कार चालक अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है।

हार्टअटैक से व्यवसायी की मौत

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले में शनिवार को 35 वर्षीय व्यवसायी इंद्रजीत सिंह बाबरा की हार्ट अटैक से अचानक मौत हो गई। यह पूरी घटना संगम चौक स्थित एक सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि इंद्रजीत सिंह स्कूटी स्टार्ट कर रहे थे, तभी उन्हें हार्ट अटैक आया और वे सड़क पर गिर पड़े। आसपास कई लोग मौजूद थे, पर किसी

ने तुरंत ध्यान नहीं दिया। जिससे उनकी जान बचाई जा सकती थी। परिवार इस असमय और आकस्मिक घटना से गहरे सदमे में है।

सीएम डॉ. यादव ने कहा, आम लोगों को सुशासन का लाभ दिलाएं, जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद भी करें

मुख्यमंत्री ने समाधान ऑनलाइन में प्रदेश के 14 प्रकरणों की सीधी सुनवाई की

फौती नामांतरण में देरी होने की शिकायत पर नायब तहसीलदार को दिया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनता की संतुष्टि ही हमारा ध्येय है। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सुशासन है, इसलिए प्रदेश के हर नागरिक को सुशासन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करें और उनके सुझावों पर भी अमल करें। हरसंभव तरीके से अपनी दक्षता और क्षमता बढ़ायें। जिले में चल रही सभी प्रकार की घटनाओं पर पैनी नजर रखें। योजनाओं का समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित हो, इसके लिए बेहतर से बेहतर प्रबंधन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समाधान ऑनलाईन में आए प्रदेश के 14 जिलों के विभिन्न प्रकरणों की सीधी सुनवाई की। आवेदकों से रू-ब-रू बात कर उनके मामले के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। समाधान ऑनलाईन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 14 शिकायतों का निराकरण कराया।

मुरैना जिले के आवेदक ब्रम्हलाल सिंह ने उसके फौती नामांतरण में देरी होने की शिकायत की थी। कलेक्टर ने बताया कि इस मामले में संबंधित नायब तहसीलदार को नोटिस दिया गया है और पटवारी पर भी कार्रवाईर् की गई है। उमरिया जिले के आवेदक दीपक कोरी ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना के तहत उसे पेंशन न मिलने की शिकायत की थी। आवेदक ने बताया कि शिकायत करने के बाद अब उसे पेंशन मिल रही है। कलेक्टर उमरिया ने बताया कि हितग्राही को पेंशन मिलने में देरी के लिये दोषी पाए गए समग्र सामाजिक न्याय अधिकारी की एक वेतनवृद्धि रोकी गई है। ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस दिया गया है और इस संबंध में देरी के लिए विशेष रूप से दोषी पाए गए ग्राम रोजगार सहायक से अर्थदंड की राशि तीन हजार रूपए वसूल करके आवेदक को दे दी गई है।

खास बातें

- जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सुशासन: डॉ. यादव
- जिले में सभी प्रकार की घटनाओं पर पैनी नजर रखने के दिए निर्देश
- आवेदकों से की सीएम ने बात

मनरेगा में आवेदिका को भुगतान दिला दिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाईन में आए पांढुर्णा, मुरैना, उमरिया, नीमच, भिंड, बैतूल, निवाड़ी, रायसेन, नर्मदापुरम एवं धार जिले के एक-एक मामले तथा शहडोल और सतना जिले के दो-दो मामलों (कुल 14 प्रकरणों) की सीधी सुनवाई की। पांढुर्णा जिले की आवेदिका कलावती हिंगवे ने शिकायत की थी कि उन्हें कपिलधारा कूप निर्माण, मेढ़बंधान, खेत-तालाब, भूमिशिल्प, नंदन फल उद्यान के संबंध में मनरेगा की ओर से भुगतान नहीं किया गया था। कलेक्टर पांढुर्णा ने बताया कि इस मामले में दोषी ग्राम रोजगार सहायक को पद से पृथक कर दिया गया है। पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया है। दोषी सब इंजीनियर का 15 दिन का वेतन रोगा गया और दोषी पाए गए सहायक यंत्री के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव कमिश्नर जबलपुर को भेज दिया गया है। वर्तमान में आवेदिका को उसका भुगतान दिला दिया गया है।

दो लाख रुपए की बीमा राशि का भुगतान कर दिया

निवाड़ी जिले के आवेदक चेनू कुशवाहा ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत उसे आवास राशि का लाभ न मिलने की शिकायत की थी। रायसेन जिले के आवेदक बालचंद विश्वकर्मा ने उसके बेटे की आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर उसे बीमा राशि का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर रायसेन ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रूपए की बीमा राशि का भुगतान कर दिया गया है। नर्मदापुरम जिले के आवेदक राहुल यादव ने उसके गांव में नल-जल योजना के काम पूरे होने के बाद भी उन्हें पेयजल प्राप्त न होने की शिकायत की। धार जिले की आवेदिका सीमा दांगी के पति रामा दांगी ने बताया कि उन्हें विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी, जो उन्हें नहीं मिल सकी, इसलिए उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की थी। कलेक्टर धार ने बताया कि इस मामले में संबंधित ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया है और उससे 5 हजार रुपए का अर्थदंड भी वसूल किया गया है। शहडोल और सतना के आवेदकों की शिकायतों का समाधान भी इस अवसर पर किया गया।

आवेदक को 9 लाख 28 हजार 200 रुपए की शासकीय राशि का भुगतान

नीमच जिले के आवेदक लालाराम भील ने उसे दिए गए वनाधिकार हक प्रमाण पत्र में वन विभाग की ओर से त्रुटि किए जाने के कारण उसे लाभ न मिलने की शिकायत की थी। इस पर अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल ने बताया कि जारी किए गए वनाधिकार प्रमाण पत्र में शाब्दिक, तकनीकी त्रुटि के कारण आवेदक के साथ यह परिस्थिति बनी। परंतु अब आवेदक को उसके हक की 9 लाख 28 हजार 200 रुपए की शासकीय राशि भुगतान कर दी गई है।

छात्रवृत्ति में देरी पर क्षेत्र संयोजक पर कार्रवाई

भिंड जिले के आवेदक (छात्र) दिनेश चरकोटा ने उसे जनजातीय कार्य विभाग की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति न मिलने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर भिंड ने बताया कि आवेदक को छात्रवृत्ति मिलने में विलंब के लिए दोषी क्षेत्र संयोजक पर कार्रवाई की गई है। इसके अलावा जिला संयोजक (जो पहले से ही निलंबित चल रहे हैं) के निलंबन आरोप में इस मामले के आरोप भी जोड़ दिए गए हैं। बैतूल जिले के आवेदक (किसान) अनोखीलाल यादव ने सहकारिता विभाग की ओर से जारी उसके केसीसी किसान क्रेडिट कार्ड का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उसे कठिनाई होने की शिकायत की थी। कलेक्टर बैतूल ने मामले में अद्यतन जानकारी देते हुए बताया कि प्रबंधक पर एफआईआर की गई, फिर उससे वसूली भी की गई है।

इंदौर स्थित उनके निवास पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित कर परिजनों को बंधाया ढांढस

सीएम व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने सलूजा को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का बुधवार को इंदौर में हार्ट अटैक से निधन हो गया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने शुक्रवार को इंदौर स्थित उनके निवास पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित कर परिवारजनों को ढांढस बंधाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने नरेंद्र सलूजा के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सलूजा भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता थे: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरेंद्र सलूजा के निज निवास 195, रानीबाग मुख्य इंदौर पहुंचकर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि नरेंद्र सलूजा का असामयिक निधन भाजपा के लिए बड़ी क्षति है। सलूजा भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता थे। पार्टी ने होनहार व्यक्ति को खो दिया है यह दुखद है। मैं भगवान से कामना करता हूं कि सलूजा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

सलूजा का हमारे बीच से जाना पार्टी के लिए बड़ी क्षति : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने नरेंद्र सलूजा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि नरेंद्र सलूजा का असमय निधन भाजपा परिवार के लिए बड़ी क्षति है। पार्टी ने एक अच्छे वक्ता को खो दिया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

शिक्षक के साथ खड़े अन्य लोग सुरक्षित, सरगुजा के सीतापुर की घटना

मोबाइल चला रहे शिक्षक पर गिरी बिजली, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतापुर

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के सीतापुर में आकाशीय बिजली ने एक शिक्षक की जान ले ली। अचानक बारिश शुरू होने पर उस समय शिक्षक और छः लोग बंद होटल में शरण लिए हुए थे। तभी वहां गाज गिरी और उसने शिक्षक को अपनी चपेट में ले लिया, जबकि उनके साथ खड़े अन्य छह-सात लोगों को खरोंच तक नहीं आई।

मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षक अपने किसी रिश्तेदारी से घर लौट रहे थे। घटना ग्राम रजौटी स्थित त्रिकोण चौक में करीब एक बजे की है। जहाँ जशपुर जिले के ग्राम तमता से रिश्तेदारी निभाकर घर वापस आ रहे शिक्षक ने बारिश से बचने बंद

पड़े होटल में शरण ली थी। उस होटल में शिक्षक के अलावा पांच अन्य लोगों ने भी बारिश से बचने शरण ले रखी थी। इसी बीच तेज बारिश के साथ वहां पर गाज गिरी और मोबाइल चला रहे शिक्षक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि वहाँ मौजूद लोग उनको लेकर भागे-भागे हॉस्पिटल पहुँचे। जहाँ डॉक्टर ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर द्वारा मृत घोषित करने के बाद भी परिजनों का मन नही माना और वो इस उम्मीद से शिक्षक को मेडिकल कॉलेज लेकर भागे। ताकि अगर थोड़ी बहुत भी संभावना हो तो वहाँ शिक्षक की जान बचाई जा सके। गाज गिरने के दौरान वहां मौजूद छह लोगों में से केवल शिक्षक इसकी चपेट में आ गए और अपनी जान गंवा दी। दरअसल बारिश के दौरान बंद पड़े होटल में शिक्षक समेत छः लोग शरण लिए हुए थे। इस दौरान शिक्षक वहाँ बैठकर मोबाइल चला रहे थे, तभी वहां पर गाज गिरी और छह लोगों में से केवल शिक्षक को अपनी चपेट में ले लिया। बाकी वहाँ मौजूद पांच अन्य लोगों का बाल भी बांका नही हुआ। वे सभी इस प्राकृतिक आपदा में बाल-बाल बच गए।

वारदात के बाद शव ईंट भट्ठे के गड्ढे में फेंका, दो गिरफ्तार

50 रुपए नहीं देने पर पत्नी की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ लैलूंगा

29 अप्रैल को एक ईंट भट्ठे के गड्ढे में 42 वर्षीय महिला की लाश मिलने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतका के पति ने शराब के लिए 50 रुपये न देने पर गुस्से में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी। लैलूंगा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर मृतका के पति बिसाहू माझी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि पैसे को लेकर हुए विवाद में उसने पत्नी को पीटा और गला दबाकर मार डाला, फिर शव को ईंट भट्ठे के गड्ढे में फेंक दिया।

पुलिस जांच में पता चला कि दंपती के बीच अक्सर झगड़े होते थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने से मौत की पुष्टि हुई। प्रारंभिक तौर पर बिसाहू ने दावा किया था कि पत्नी गड्ढे में गिरकर मरी, लेकिन शव और घटनास्थल के निरीक्षण से

भट्टा मालिक के बेटे को थी जानकारी, साक्ष्य छिपाने के मामले में वो भी बना आरोपी

मामला संदिग्ध पाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि भट्ठा मालिक के बेटे उमेश बंजारा (27) को घटना की जानकारी थी, लेकिन उसने पुलिस को सूचना नहीं दी और साक्ष्य छिपाने की कोशिश की। इसके लिए उसके खिलाफ धारा 239 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। मृतका और उसका पति डेढ़ महीने से भट्ठे में काम कर रहे थे और वहीं रहते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

नशे की हालत में वाहन छोड़ कर रहा था डांस

डीजे वाहन की चपेट में आने से लगभग एक दर्जन घायल

बलौदा बाजार। जिले के हीरमि गांव में बारात के दौरान एक हादसा हो गया। बारात में शामिल डीजे वाहन का चालक नशे की हालत में गाड़ी से उतरकर नाचने लगा। इस दौरान वाहन को असुरक्षित अवस्था में छोड़ दिया गया। वाहन में बैठे कुछ बच्चों ने अनजाने में गाड़ी का गियर लगा दिया, जिससे गाड़ी आगे बढ़ गई और बारातियों की भीड़ में घुस गई। इस हादसे में लगभग 10 से 12 लोग डीजे वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सभी घायलों को तुरंत बलौदा-बाजार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है और डीजे वाहन चालक की लापरवाही को लेकर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

डॉ. यादव ने कहा, बेटियों के लिए अद्भुत है लाड़ली लक्ष्मी योजना

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम' अभियान में लगाए पौधे, दीं शुभकामनाएं

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सभी बेटियों, बहनों और माताओं के कल्याण के लिए सरकार हमेशा आगे रही है। बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना तैयार कर 1 अप्रैल 2007 से लागू की थी। यह योजना बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने और प्रदेश के जेंडर रेश्यो में उत्तरोत्तर सुधार के लिए विश्व की एक अद्भुत योजना है।

इसमें बेटियों के जन्म से लेकर उनकी पढ़ाई और उनका विवाह होने तक भी सरकार द्वारा अभिभावकों को आर्थिक सहायता दी जाती है, ताकि बेटियों को कोई भी माता-पिता बोझ न माने, बेटियों की पढ़ाई-लिखाई की चिंता से मुक्त रहें और सिर्फ उनके सुनहरे भविष्य के निर्माण में ही अग्रसर रहें। इस योजना को आशातीत प्रतिसाद मिलने से प्रदेश में जेंडर रेश्यो में बढ़ोतरी हुई है। डॉ. यादव शुक्रवार को लाड़ली लक्ष्मी योजना दिवस के अवसर पर स्टेट हैंगर परिसर में पौधरोपण के पश्चात लाड़ली लक्ष्मियों को संबोधित कर रहे थे।

बेटियों, बहनों और माताओं के लिए सरकार हमेशा आगे

आम, आंवला, संतरे और नींबू के पौधे लगाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान के तहत भोपाल जिले की 25 से अधिक लाड़ली लक्ष्मी के साथ आम, आंवला, संतरे और नींबू के पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर माता-पिता को अपनी बेटियों के नाम एक-एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उस पौधे का अपनी संतान की तरह पालन पोषण करना चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रारंभ से अब तक 50 लाख 45 हजार से अधिक लाड़ली लक्ष्मियों का पंजीयन किया जा चुका है। कार्यक्रम में आईं सभी लाड़ली लक्ष्मियों ने फूल देकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया और उनके साथ पौधरोपण किया। उन्होंने प्रदेश की सभी बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव की शुभकामनाएं देते कहा कि वे जितना अधिक हो सके, खूब पढ़-लिखकर अपने जीवन में निरंतर आगे बढ़ें। उनके भविष्य की चिंता हमारी सरकार करेगी। डॉ. यादव ने कहा कि बेटियों को हर कदम पर जरूरी मार्गदर्शन और मदद मुहैया कराई जाएगी। कार्यक्रम में नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित थे।

16 हजार किसानों ने लिया पांच रुपए कृषि पंप कनेक्शन

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अपने कार्यक्षेत्र में ग्रामीण एवं कृषि उपभोक्ताओं को मात्र पांच रुपए में स्थायी कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा रही है। जब से यह योजना शुरू हुई है तब से अब तक इस योजना का लाभ 16 हजार 545 ग्रामीण कृषकों को मिल चुका है। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने कहा है कि कृषि पंपों के कनेक्शनों की संख्या बढ़ाए जाने हेतु ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं उनको सुविधानुसार कनेक्शन दिया जा रहा है। नवीन कृषि पंप के लिए स्थाई विद्युत कनेक्शन का आवेदन सरल संयोजन पोर्टल से किया जा सकता है।

बिना दिमाग के जीते हैं ये समुद्री जीव, अंग के उपयोग से समझते हैं आसपास का वातावरण

दिमाग को जानवरों का सबसे जरूरी अंग माना जाता है क्योंकि यह उन्हें सोचने, समझने और निर्णय लेने की शक्ति देता है। हालांकि, कुछ समुद्री जीव ऐसे होते हैं, जिनके पास दिमाग नहीं होता और फिर भी वे जीवित रहते हैं। ये समुद्री जीव अपनी रोजमर्रा की जिंदगी बिना दिमाग के जीते हैं और अपने आसपास की दुनिया को समझने के लिए अन्य अंगों का उपयोग करते हैं। आइए आज हम आपको कुछ समुद्री जीवों के बारे में बताते हैं।

स्टारफिश

स्टारफिश भी एक ऐसा समुद्री जीव है, जो बिना दिमाग के जी सकता है। यह अपने पैरों की मदद से समुद्र की सतह पर चलती है और अपने भोजन को खोजती है। स्टारफिश में एक खासियत होती है कि अगर इसका कोई हाथ कट जाए तो यह उसे फिर से उगा सकती है।इसके अलावा स्टारफिश पानी के माध्यम से भी अपने आसपास के माहौल को महसूस कर सकती है।

जेलीफिश

जेलीफिश भी एक ऐसा समुद्री जीव है, जिसके पास वास्तव में कोई दिमाग नहीं होता। जेलीफिश अपने शरीर के झिल्लियों के माध्यम से संवेदनाओं का अनुभव करती हैं और अपने पर्यावरण के साथ बातचीत करती हैं। जेलीफिश की कुछ प्रजातियां तो बिना किसी दिमाग के कई वर्षों तक जीवित रह सकती हैं। जेलीफिश समुद्र के गहरे हिस्सों में रहती हैं इसलिए इनके शरीर में किसी भी तरह की जटिल संरचना विकसित नहीं होती है।

समुद्री मकड़ी

समुद्री मकड़ी एक अनोखा समुद्री जीव है, जो बिना किसी दिमाग के भी जीवित रहती है। यह मकड़ी समुद्र के गहरे हिस्सों में पाई जाती है और इसकी खासियत है कि यह अपने शरीर के अन्य हिस्सों के माध्यम से पोषक तत्व ग्रहण करती है। वह पानी में मौजूद ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों का इस्तेमाल करके जीवित रहती है। इस प्रक्रिया को 'डायरेक्ट अब्जॉर्प्शन' कहा जाता है।

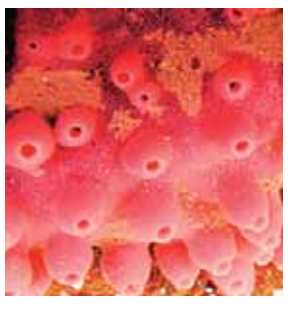

स्पंज

स्पंज एक ऐसा जीव है, जो पानी में पाया जाता है और बिना किसी दिमाग के भी जीवित रहता है। स्पंज अपनी सतह के माध्यम से पानी को अवशोषित करता है और इससे पोषक तत्वों को ग्रहण करता है। स्पंज की संरचना बहुत सरल होती है, लेकिन यह कई प्रकार के पोषक तत्वों को अपने शरीर में जमा कर सकता है। इसके अलावा स्पंज की खासियत यह भी है कि यह समुद्र की गहराइयों में पाया जाता है।

रोचक खबरें

दुनिया की वो रंग-बिरंगी मछली, जो समंदर में चलती है, तैरती नहीं

नई दिल्ली। जंगल और समंदर के कुछ जीव ऐसे हैं जो अब गिने चुने बचे हैं। इन्हें विलुप्त होती प्रजातियों में रखा जाता है। ऐसी ही कुछ मछलियों को ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया द्वीप पर देखा गया है। देखने में यह अजीब सा जीव लगता है। इसके पंख हथेली की तरह दिखाई देते हैं। इसी के सहारे मछली पानी में आगे बढ़ती है। इसका नाम हैंडफिश है। पर्पल, रेड, पिंक कलर की इस फिश को आसानी से पहचाना जा सकता है। ये समंदर के नीचे तली में चलती हैं और अपने शिकार की तलाश में रहती हैं। ये छोटे कीड़े खाती हैं। इन रंगीन मछलियों को बचाने के लिए संरक्षण कार्यक्रम भी चल रहे हैं। पहली बार इन मछलियों को देखने का मौका मिले तो ऐसा लगेगा कि जैसे किसी ने पेंटिंग की हो। तस्मानिया यूनिवर्सिटी ने इसके संरक्षण के मकसद से एक वेबसाइट बनाई है और डोनेशन की पहल कर रही है। बताया गया है कि ये मछलियां ऐसे फैमिली से आती हैं जिनके 'हाथ' काफी बड़े होते हैं और ये तैरती नहीं बल्कि चलती हैं। जी हां, ये वॉक करती हैं। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में कुल 14 हैडफिश की प्रजातियां पाई जाती हैं। इनके रहने की जगह खत्म हो रही है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन भी इन्हें प्रभावित कर रहे हैं।

दुनिया के ऐसे 5 भयानक युद्ध, जिसमें पूरा का पूरा देश ही हो गया तबाह; भारत ने भी दिखाई थी ताकत

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसा माहौल नजर आने लगा है। भारत जहां पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों को सबक सिखाने के लिए अपनी कमर कस लिया है तो वहीं पाकिस्तान अपनी गीदड़ भभकी करने से बिल्कुल बाज नहीं आ रहा है। फिलहाल, 30 अप्रैल 1975 को वियतनाम का युद्ध खत्म हुआ था, जो 1 नवंबर 1955 से शुरू हुआ था। हम आपको दुनिया की पांच उन युद्धों के बारे में बताते हैं जिसमें पूरा देश ही तबाह हो गया।

वियतनाम युद्ध (1955-1975)

वियतनाम युद्ध शीत युद्ध का हिस्सा था. कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम ने गैर-

कम्युनिस्ट दक्षिण वियतनाम पर हमला किया। अमेरिका 1961 में युद्ध में शामिल हुआ और 1973 में सैनिकों को वापस बुलाया। 1975 में, उत्तर वियतनाम ने दक्षिण पर कब्जा कर लिया। इस युद्ध में लाखों लोग मारे गए।

भारत ने दिखाया दमखम, बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम (1971)

1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) और पश्चिमी पाकिस्तान (अब पाकिस्तान) के बीच नौ महीने का युद्ध हुआ। भारत ने, शरणार्थियों की समस्या के कारण हस्तक्षेप किया। दिसंबर 1971 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, जिससे भारत-पाक युद्ध शुरू हुआ। भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर हावी होकर 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। यह युद्ध बांग्लादेश की स्वतंत्रता के साथ खत्म हुआ।

अफगानिस्तान युद्ध (2001-2021)

9/11 हमले के बाद अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र गठबंधन ने

अफगानिस्तान पर हमला किया क्योंकि तालिबान ने ओसामा बिन लादेन को सौंपने से इनकार कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने हमले की अनुमति दी। तालिबान सरकार गिरा दी गई, लेकिन तालिबान ने फिर से हमले शुरू किए। 2011 में अमेरिका ने पाकिस्तान में ओसामा को मार गिराया। 2021 में राष्ट्रपति बाइडेन ने सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की घोषणा की। 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया।

कोरियाई युद्ध (1950-1953)

25 जून 1950 को नॉर्थ कोरिया ने सोवियत संघ की सलाह पर साउथ कोरिया

पर हमला किया। नॉर्थ कोरिया का लक्ष्य पूरे कोरिया को कम्युनिस्ट शासन में लाना था। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका साउथ कोरिया की मदद के लिए आया। चीन ने नॉर्थ कोरिया का साथ दिया। इस युद्ध में लगभग 25 लाख लोग मारे गए। जुलाई 1953 में युद्ध खत्म हुआ, लेकिन कोरिया आज भी दो हिस्सों में बंटा है। यह युद्ध शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और रूस के बीच बड़ा संघर्ष था।

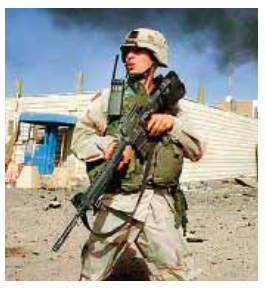

इराक युद्ध (2003-2011)

2003 में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराक पर हमला किया ताकि कथित सामूहिक विनाश के हथियार नष्ट किए जाएं और सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हो। हथियारों की खबर गलत निकली, जिससे इराक में हिंसा बढ़ी। सद्दाम को पकड़कर फांसी दी गई। 2011 में राष्ट्रपति ओबामा ने अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाया, जिससे नौ साल का युद्ध खत्म हुआ।

जापान के इस शहर में लोगों दिनभर में एक बार हंसना है अनिवार्य

जापान को दुनिया का सबसे खुशहाल देशों में से एक माना जाता है। अब यहां के यामागाटा प्रान्त ने एक अनोखा कानून बनाया है, जिसमें नागरिकों को दिन में एक बार हंसना अनिवार्य किया गया है। यामागाटा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन से प्रेरित इस कानून का उद्देश्य निवासियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाना है। शोध से पता चलता है कि हंसने से हृदय रोग का खतरा कम होता है और दीर्घायु को बढ़ावा मिलता है। यह कानून लोगों को हंसी के लाभों के बारे में बताने और कार्यस्थलों पर हंसी से भरे माहौल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके बावजूद इसे टोरू सेकी और सटोरू इशिगुरो जैसे राजनेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा, जिनका तर्क है कि यह संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। सेकी ने कहा कि हंसना या न हंसना मौलिक मानव अधिकार है, जबकि इशिगुरो ने बीमारी जैसे कारणों से हंसने में असमर्थ लोगों के अधिकारों पर जोर दिया। विवाद के बावजूद, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के काओरी इटो ने कानून का बचाव करते हुए कहा कि यह किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत निर्णय के सम्मान पर जोर देता है और हंसने को मजबूर नहीं करता है। स्थानीय अधिकारियों ने आगे स्पष्ट किया कि रोजाना हंसने में असमर्थ लोगों के लिए नए नियम में कोई दंड प्रावधान नहीं है।

जापान के इस बार में बॉडीबिल्डर महिलायें करती हैं ग्राहकों की पिटाई, ग्राहक देते हैं पैसे

आम तौर पर बार या रेस्टोरेंट में वेटर ग्राहकों की खूब खातिरदारी करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें कोई तकलीफ न हो। हालांकि, जापान में एक ऐसा विचित्र बार है, जहां ग्राहकों की पिटाई की जाती है। इसके लिए बार में कई बॉडीबिल्डर महिलाओं को नियुक्त भी किया गया है। ये सभी महिलायें ग्राहकों को थप्पड़ और लातें मारकर अपनी मेहमान-नवाजी दिखाती हैं। जापान के टोक्यो स्थित इस बार का नाम 'मसल गर्ल्स बार' है, जो फिटनेस थीम पर बना है। इस बार में ब्राजीलियाई जिउ-जित्सु अभ्यासकर्ता, फिटनेस के प्रति जागरुक महिलायें, पेशेवर महिला पहलवान और अभिनेत्रियां वेट्रेस के रूप में काम करती हैं। ग्राहक वेट्रेस द्वारा थप्पड़ खाने, लात खाने या उठाकर पटके जाने जैसी सेवाओं के लिए उन्हें पैसे देते हैं। ग्राहक जापानी येन खर्च करके 'मसल मनी' खरीद सकते हैं, जो मार खाने के लिए वेट्रेस को दी जाती है। इस बार की मालकिन का नाम हरि है, जो कि एक पूर्व फिटनेस यूट्यूबर हैं। 2020 में उनका जिम बंद होने के बाद हरि ने बार खोला था। इन महिलाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली पिटाई की व्यक्तिगत सेवाओं की लागत 30,000 येन यानि करीब 17,000 रुपये तक हो सकती है। स्क्वाट करते समय ग्राहक इन महिलाओं के कंधों पर भी सवारी कर सकते हैं, जिसका शुल्क ग्राहक के वजन के आधार पर अलग-अलग होता है। हरि बचपन से ही एक उत्सुक वॉलीबॉल खिलाड़ी रही हैं, जिन्हें अपनी ताकत पर गर्व है। हरि ने एक आस्ट्रेलियन ग्राहक को थप्पड़ मारा था, जिसके बाद अन्य ग्राहक उनसे थप्पड़ खाने के लिए आने लगे थे।

दुनिया के सबसे जहरीले सांपों का घर है ये टापू, यहां इंसानों का बचना नामुमकिन!

धरती पर एक ऐसी जगह भी है, जहां कदम रखना मतलब मौत को बुलावा देना। यहां चारों तरफ सिर्फ जहर ही जहर फैला है। हर कोने में मौत घात लगाए बैठी है. यही है दुनिया का सबसे खतरनाक टापू!

स्नेक आइलैंड: खौफ का दूसरा नाम

इल्हा दा क्वेमादा ग्रांडे, जिसे स्नेक आइलैंड कहा जाता है, दुनिया की सबसे खतरनाक जगहों में शुमार है। यह छोटा-सा द्वीप ब्राजील के साओ पाउलो तट से 33 किमी दूर अटलांटिक महासागर में बसा है। यहां हर कदम पर सांपों का सामना होता है, और वो भी इतने जहरीले कि इंसान का बचना नामुमकिन है। इस जगह का नाम सुनते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं!

हर वर्ग मीटर में सांपों का बसेरा

स्नेक आइलैंड की सबसे डरावनी बात यह है कि यहां हर वर्ग मीटर में 3 से 5 जहरीले सांप मौजूद हैं। यानी आप जहां भी कदम रखें, सांपों से सामना तय है। अनुमान है कि इस 43 हेक्टेयर के द्वीप पर हजारों सांप रहते हैं। इनमें से ज्यादातर गोल्डन लैंचहेड वाइपर हैं।

ब्राजील सरकार का सख्त बैन

स्नेक आइलैंड की खतरनाक स्थिति को देखते हुए ब्राजील सरकार ने इस द्वीप पर आम लोगों के जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा रखा है। केवल वैज्ञानिकों और विशेष अनुमति प्राप्त लोगों को ही यहां जाने की इजाजत है। वह भी सख्त सुरक्षा और नौसेना की निगरानी में। यह बैन इस जगह को और भी रहस्यमय बनाता है। स्नेक आइलैंड का इतिहास कहा जाता है कि स्नेक आइलैंड का नाम पुर्तगाली भाषा के शब्द "क्वेमादा" से आया है, जिसका मतलब है "जलाया हुआ"।

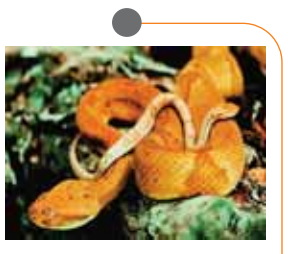

गोल्डन लैंचहेड वाइपर जहर का बादशाह

इस आइलैंड का सबसे खतरनाक निवासी है गोल्डन लैंचहेड वाइपर, जिसे दुनिया का सबसे जहरीला सांप कहा जाता है। इसका जहर इतना खतरनाक है कि यह इंसान के मांस को पिघला सकता है और कुछ ही मिनटों में जान ले सकता है। इस सांप की खासियत यह है कि यह केवल स्नेक आइलैंड पर ही पाया जाता है, और इसकी संख्या 2,000 से 4,000 के बीच मानी जाती है।

क्यों है इतना खतरनाक यह द्वीप?

स्नेक आइलैंड की खतरनाक प्रकृति का राज इसके इतिहास में छिपा है। हजारों साल पहले यह द्वीप ब्राजील की मुख्य भूमि से अलग हो गया था। उस वक्त यहां मौजूद सांपों को जीवित रहने के लिए पक्षियों का शिकार करना पड़ा।

ये जानवर है या पत्थर की फुटबॉल? शख्स ने मारी गोली, तो उल्टा ही पड़ गया दांव

नई दिल्ली। ये बात है साल 2015 की... जब सेंट्रल जॉर्जिया में 54 साल के एक शख्स ने गलती से अपनी सास को गोली मार दी। इस घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। दरअसल 54 साल के लैरी मैकलेरॉय ने अपनी 9एमएम की पिस्तौल से एक आर्मांडिलो पर फायर किया था। आर्मांडिलो एक ऐसा जानवर है, जिसे बुलेट प्रूफ कहा जाता है। जब पिस्तौल से निकली गोली आर्मांडिलो की सख्त चमड़ी से टकराई तो वो उछल कर घर में कुर्सी पर बैठी बुजुर्ग की पीठ में लगी। आर्मांडिलो दुनिया के सबसे शातिर जीवों में से एक है। ये बड़े से बड़े हमले में भी खुद को बचा लेने में माहिर है। आज हम आपको इसी विचित्र जानवर के बारे में बताएंगे।

फुटबॉल बन जाता है ये जानवर : ये जानवर साउथ अमेरिका में पाया जाता है। आर्मांडिलो की खासियत यही है कि ये खतरा भांपते ही खुद को समेत के गोलाकार आकार ले लेता है। जब ये खुद को समेटता है, तो बिल्कुल एक पत्थर की फुटबॉल जैसा हो जाता है। वहीं इसकी आवरण पत्थर से भी कठोर होता है, जिसे तोड़ना नामुकिन है।

आर्मांडिलो बेहद खूबसूरत जीव : आर्मांडिलो बेहद खूबसूरत जीव है। इसकी 20 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं। इसके ऊपर की शैल इतनी मजबूत होती है, जिसपर बंदूक की गोली का भी कुछ असर नहीं होता। यहीं वजह से कि इसे बुलेट प्रूफ जीव कहा जाता है।

ना गंगा, ना यमुना... ये है भारत की सबसे पुरानी नदी गायब हुई नदी आज भी बह रही है धरती के नीचे!

नई दिल्ली। भारत में नदी को देवी का स्थान दिया गया है। इससे लोगों की लोक आस्था जुड़ी हुई है। नदी के जल से लोग पूजा पाठ भी करते हैं। अमावस्या और पूर्णिमा के दिन गंगा नदी में स्नान करने का विशेष महत्व है। इसके अलावा, गंगा सप्तमी के दिन भी मां गंगा की पूजा का महत्व है। मान्यताओं के अनुसार, गंगा नदी में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। कई लोगों की ऐसी धारणा है कि गंगा भारत की सबसे पुरानी नदी है, लेकिन आज के आर्टिकल में हम आपको यह बताएंगे कि भारत की सबसे पुरानी नदी न ही गंगा है और ना ही यमुना है। भारत की सबसे पुरानी नदी का नाम सुनकर आप सभी को आश्चर्य होगा, क्योंकि धरती के ऊपर से इसका अस्तित्व सैकड़ों साल पहले ही खत्म हो चुका है।

सरस्वती है भारत की सबसे पुरानी नदी

दरअसल, भारत में बहने वाली इस नदी का नाम सरस्वती है, जो कि सबसे पुरानी नदी मानी जाती है। जिसका अस्तित्व सैकड़ों साल पहले धरती के ऊपर से खत्म हो चुका है, लेकिन आज भी यह धरती के नीचे बह रही है। इस नदी की धारा आज भी जमीन के नीचे मौजूद है।

नदी का अवशेष

वैज्ञानिकों की खोजबीन के अनुसार, प्राचीन काल में बहने वाली इस नदी का प्रमाण भी मिला है। उनके अनुसार, हिमालय में आदि बद्री से गुजरात में कच्छ से होकर 5000 किलोमीटर तक जमीन के भीतर जल भंडार का पता चला है। वैज्ञानिकों की मानें तो, सालों पहले यहां भूकंप आने से सरस्वती नदी का पानी नीचे चला गया। हालांकि, आज भी इस नदी के अवशेष घग्गर-हकरा नदी के रुप में मौजूद है।

ग्रंथों में है उल्लेख

हिंदू ग्रंथो में सरस्वती नदी का उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद में सरस्वती नदी को यमुना के पूर्व और सतलुज के पश्चिम में बहता हुआ बताया गया है। अमूमन इस नदी का नाम तो सभी ने सुना है, लेकिन आज तक किसी ने इस नदी को देखा नहीं है। मान्यताओं के अनुसार, प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है। इसलिए इस त्रिवेणी संगम कहते हैं। महाभारत में इस नदी के गायब होने की बात लिखी गई है। जिसके अनुसार, यह नदी हरियाणा में यमुनानगर से थोड़ा ऊपर और शिवालिक पहाड़ियों से थोड़ा नीचे आदि बद्री नामक स्थान से निकलती थी।